चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 23 फ़रवरी 2026, अंक –222.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

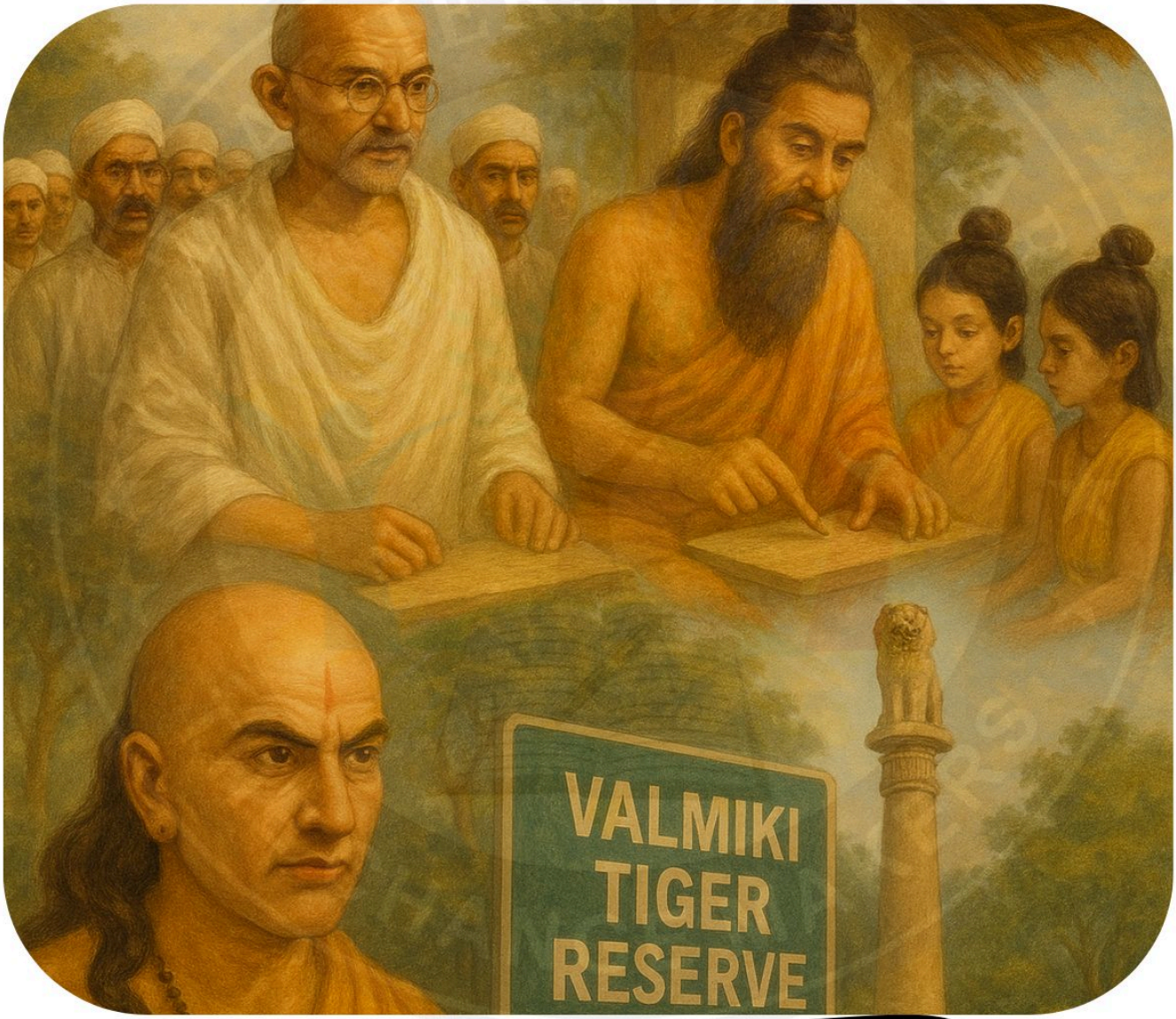

"मनुष्य विचारों से महान बनता है।"

— महात्मा गांधी

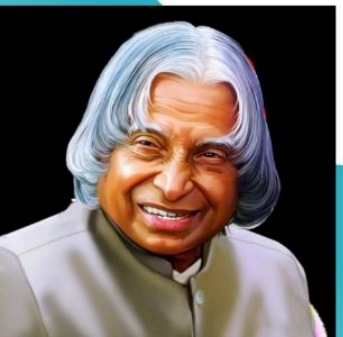

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Saturda Prayer

सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।

सदा हमारे सिर पर तेरा हाथ रहे,
हर सुख-दुख संकट में तेरा साथ रहे,
हां, हर सुख-दुख संकट में तेरा साथ रहे;
खुशियों का हो जीवन में आयाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

मिलकर इस धरती को चमन बनाएं हम,
गांधी, गौतम, रामकृष्ण बन जाएं हम।
हां, गांधी, गौतम, रामकृष्ण बन जाएं हम;
यही हमारा हो हरदम पैगाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

मात-पिता की सेवा और सम्मान करें,
उनकी खुशियों पर सब कुछ कुर्बान करें।
हां, उनकी खुशियों पर सब कुछ कुर्बान करें।
अच्छे कर्म का अच्छा परिणाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा....

शुद्ध भाव से तेरा ध्यान लगाएं हम,
विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
हाँ, विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
तुम्ही से है आगाज़ तुम्हीं से अंजाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा...

गुरुओं का सत्कार कभी न भूले हम,
इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
हाँ, इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
तुम्हीं से है हर सुबह तुम्ही से शाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1: इंडोनेशिया की नई राजधानी कहाँ है?
उत्तर:नुसंटारा (पुरानी: जकार्ता, नई: नुसंटारा)
प्रश्न 2: अंटार्कटिका महाद्वीप पर पहुंचने वाले पहले व्यक्ति कौन थे?
उत्तर:रोआल्ड अमुंडसन (नॉर्वे),1911 ई०
प्रश्न 3: 1 डेकामीटर में कितने मीटर होते हैं?
उत्तर:10 मीटर
प्रश्न 4: नोबेल पुरस्कार पाने वाले पहले भारतीय वैज्ञानिक कौन थे?
उत्तर:सर सी.वी. रमन (1930),भौतिकी
प्रश्न 5: बिहार का प्रसिद्ध 'सीतामढ़ी' जिला किस हिंदू देवी का जन्मस्थान माना जाता है?
उत्तर:देवी सीता
प्रश्न 6: पन्ना राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
उत्तर:मध्य प्रदेश
प्रश्न 7: परखनली शिशु (आईवीएफ - टेस्ट ट्यूब बेबी) की तकनीक विकसित करने वाले भारतीय वैज्ञानिक कौन हैं?
उत्तर:डॉ. सुभाष मुखोपाध्याय (भारत में पहला)
प्रश्न 8: 'वैली ऑफ फ्लावर्स' राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
उत्तर:उत्तराखंड
प्रश्न 9: 'अंधकार' का पर्यायवाची शब्द बताइए।
उत्तर:तिमिर, तम, अँधेरा
प्रश्न 10: कौन सा पक्षी अपनी गर्दन को पीछे की ओर मोड़ सकता है?
उत्तर:उल्लू

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Think (थिंक) – सोचना
Thought (थॉट) – सोचा
Thought (थॉट) – सोचा गया

Wear (वियर) – पहनना
Wore (वोर) – पहना
Worn (वॉर्न) – पहना गया / पहना हुआ

Win (विन) – जीतना
Won (वन) – जीता
Won (वन) – जीता गया

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

तुम्हारा नाम क्या है? – What is your name?

मेरा नाम आरव है। – My name is Aarav.

तुम कहाँ रहते हो? – Where do you live?

मैं बगहा में रहता/रहती हूँ। – I live in Bagaha.

संकलन:-
सुनील कुमार राम
प्रधान शिक्षक
Govt. PS चिउटाहां
बगहा-2, प. चम्पारण

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

1. 23 फरवरी को किस महान क्रांतिकारी की जयंती मनाई जाती है? (दिवस ज्ञान)
उत्तर: बिस्मिल अज़ीमाबादी
व्याख्या: 23 फरवरी को प्रसिद्ध उर्दू कवि एवं क्रांतिकारी बिस्मिल अज़ीमाबादी की जयंती मनाई जाती है। उनका जन्म 1863 में पटना के अज़ीमाबाद क्षेत्र में हुआ था। वे स्वतंत्रता संग्राम के प्रबल समर्थक थे और उनकी देशभक्तिपूर्ण कविताओं ने जनता में राष्ट्रीय चेतना का संचार किया। उनकी प्रसिद्ध रचनाओं में "शहीद-ए-वतन" और "दिल्ली दरबार" शामिल हैं। उनका निधन 1930 में हुआ था।
संदर्भ: बिहार साहित्य अकादमी; भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास।

2. हाल ही में (फरवरी 2026) किस भारतीय राज्य सरकार ने 'बांस क्रांति योजना' के तहत किसानों को बांस के पौधे वितरित करने की घोषणा की है? (समसामयिकी)
उत्तर: मध्य प्रदेश
व्याख्या: फरवरी 2026 के अंतिम सप्ताह में मध्य प्रदेश सरकार ने 'बांस क्रांति योजना' के तहत राज्य के किसानों को 2 करोड़ बांस के पौधे निःशुल्क वितरित करने की घोषणा की। इस योजना का उद्देश्य बांस उत्पादन को बढ़ावा देना, किसानों की आय में वृद्धि करना एवं पर्यावरण संरक्षण को सुनिश्चित करना है। बांस से हस्तशिल्प, फर्नीचर, निर्माण सामग्री एवं जैव ईंधन बनाया जाता है।
संदर्भ: मध्य प्रदेश सरकार कृषि विभाग प्रेस विज्ञप्ति, फरवरी 2026।

3. "सत्य के प्रयोग" या "माई एक्सपेरिमेंट्स विद ट्रुथ" पुस्तक के लेखक कौन हैं? (पुस्तक-लेखक)
उत्तर: महात्मा गांधी
व्याख्या: "सत्य के प्रयोग" या "माई एक्सपेरिमेंट्स विद ट्रुथ" महात्मा गांधी की आत्मकथा है। यह मूल रूप से गुजराती भाषा में लिखी गई थी और बाद में अंग्रेजी में अनुवादित हुई। इसमें गांधीजी ने अपने बचपन से लेकर 1921 तक के जीवन का वर्णन किया है। यह पुस्तक उनके व्यक्तिगत एवं आध्यात्मिक प्रयोगों का दस्तावेज है, जिसमें उन्होंने सत्य, अहिंसा, ब्रह्मचर्य एवं सादगी के सिद्धांतों को आत्मसात करने की यात्रा का वर्णन किया है।
संदर्भ: एनसीईआरटी कक्षा 8 इतिहास, अध्याय 8 (राष्ट्रीय आंदोलन का संगठन)।

4. 'साइलेंट वैली' परियोजना किस राज्य में स्थित है और इसका संरक्षण से क्या संबंध है? (पर्यावरण)
उत्तर: केरल; वन संरक्षण आंदोलन
व्याख्या: साइलेंट वैली केरल राज्य के पालक्काड़ जिले में स्थित एक सदाबहार वन क्षेत्र है। 1970 के दशक में यहाँ जलविद्युत परियोजना के प्रस्ताव के खिलाफ एक बड़ा पर्यावरण आंदोलन चला, जिसे 'साइलेंट वैली आंदोलन' के नाम से जाना जाता है। पर्यावरणविदों एवं स्थानीय लोगों के विरोध के कारण अंततः यह परियोजना रोक दी गई और 1980 में इस क्षेत्र को राष्ट्रीय उद्यान घोषित कर दिया गया। यह भारत के सबसे महत्वपूर्ण संरक्षित वन क्षेत्रों में से एक है और लायन-टेल्ड मकाक सहित कई लुप्तप्राय प्रजातियों का आवास है।
संदर्भ: एनसीईआरटी कक्षा 8 भूगोल, अध्याय 2।

5. चीनी यात्री फाहियान किसके शासनकाल में भारत आया था? (इतिहास)
उत्तर: चंद्रगुप्त द्वितीय (विक्रमादित्य)
व्याख्या: चीनी यात्री फाहियान गुप्त सम्राट चंद्रगुप्त द्वितीय (विक्रमादित्य) के शासनकाल (लगभग 399-414 ईस्वी) में भारत आया था। वह बौद्ध धर्म के अध्ययन एवं बौद्ध ग्रंथों की खोज में भारत आया था। उसने लगभग 10 वर्षों तक भारत की यात्रा की और पाटलिपुत्र, तक्षशिला, नालंदा आदि स्थानों का भ्रमण किया। उसके यात्रा वृत्तांत (फाहियान का रिकॉर्ड) में उस काल के भारत के सामाजिक, आर्थिक एवं धार्मिक जीवन की महत्वपूर्ण जानकारी मिलती है।
संदर्भ: एनसीईआरटी कक्षा 6 इतिहास, अध्याय 10 (नए साम्राज्य और राज्य)।

"सामान्य-ज्ञान"

6. 'कैलाश मानसरोवर' यात्रा मार्ग किस दर्रे से होकर जाता है? (भूगोल)
उत्तर: लिपुलेख दर्रा
व्याख्या: कैलाश मानसरोवर यात्रा मार्ग उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में स्थित लिपुलेख दर्रे से होकर जाता है। यह दर्रा समुद्र तल से लगभग 5,334 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है। यह भारत-तिब्बत सीमा पर स्थित एक महत्वपूर्ण दर्रा है। यहाँ से कैलाश पर्वत एवं मानसरोवर झील तक पहुँचा जाता है, जो हिंदुओं एवं बौद्धों के लिए अत्यंत पवित्र स्थल है। यह यात्रा मार्ग वर्ष में केवल कुछ महीनों के लिए खुलता है।
संदर्भ: एनसीईआरटी कक्षा 9 भूगोल, अध्याय 2 (भारत का भौतिक स्वरूप)।

7. संविधान के किस अनुच्छेद में 'अनुसूचित क्षेत्रों' के प्रशासन का प्रावधान है? (संविधान)
उत्तर: अनुच्छेद 244
व्याख्या: भारतीय संविधान का अनुच्छेद 244 अनुसूचित क्षेत्रों एवं जनजातीय क्षेत्रों के प्रशासन का प्रावधान करता है। इसके अंतर्गत पाँचवीं अनुसूची (अनुसूचित क्षेत्र) एवं छठी अनुसूची (जनजातीय क्षेत्र - असम, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम) के तहत इन क्षेत्रों के प्रशासन हेतु विशेष प्रावधान किए गए हैं। इन क्षेत्रों में जनजातीय समुदायों की सामाजिक एवं सांस्कृतिक विशेषताओं को ध्यान में रखते हुए प्रशासनिक व्यवस्था की गई है।
संदर्भ: एनसीईआरटी कक्षा 11 राजनीति विज्ञान, अध्याय 7 (संघवाद)।

8. 'डीएनए फिंगरप्रिंटिंग' तकनीक का आविष्कार किसने किया था? (विज्ञान)
उत्तर: सर एलेक जेफ्रीस
व्याख्या: डीएनए फिंगरप्रिंटिंग तकनीक का आविष्कार ब्रिटिश वैज्ञानिक सर एलेक जेफ्रीस ने 1984 में किया था। यह तकनीक किसी व्यक्ति की पहचान उसके डीएनए के विशिष्ट पैटर्न के आधार पर करती है। प्रत्येक व्यक्ति का डीएनए अद्वितीय होता है (एक जैसे जुड़वां को छोड़कर)। इस तकनीक का उपयोग अपराध जांच, पितृत्व परीक्षण, वंशावली अनुसंधान एवं प्रजातियों के संरक्षण में किया जाता है। भारत में इस तकनीक को लोकप्रिय बनाने में डॉ. ललजी सिंह का महत्वपूर्ण योगदान है।
संदर्भ: एनसीईआरटी कक्षा 12 जीव विज्ञान, अध्याय 6 (वंशागति के आण्विक आधार)।

9. 'पुरुषपुर' प्राचीन भारत का कौन सा प्रसिद्ध नगर था? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: पेशावर
व्याख्या: पुरुषपुर प्राचीन भारत का एक प्रसिद्ध नगर था, जिसे आज पेशावर (पाकिस्तान) के नाम से जाना जाता है। यह गांधार सभ्यता का एक महत्वपूर्ण केंद्र था और कुषाण वंश के शासक कनिष्क की राजधानी भी थी। यह नगर बौद्ध धर्म का प्रमुख केंद्र था और यहाँ प्रसिद्ध कनिष्क स्तूप स्थित था। चीनी यात्री ह्वेनसांग एवं फाहियान ने इस नगर का भ्रमण किया था और अपने यात्रा वृत्तांतों में इसका उल्लेख किया है।
संदर्भ: एनसीईआरटी कक्षा 6 इतिहास, अध्याय 10 (नए साम्राज्य और राज्य)।

10. बिहार का राजकीय वृक्ष कौन सा है? (बिहार सामान्य ज्ञान)
उत्तर: पीपल
व्याख्या: बिहार का राजकीय वृक्ष 'पीपल' (बोधि वृक्ष) है। पीपल का वृक्ष भारतीय संस्कृति एवं धर्म में अत्यंत पवित्र माना जाता है। गौतम बुद्ध को बोधगया में पीपल वृक्ष के नीचे ही ज्ञान की प्राप्ति हुई थी, इसलिए इसे 'बोधि वृक्ष' भी कहा जाता है। यह वृक्ष पर्यावरण की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह 24 घंटे ऑक्सीजन प्रदान करता है। बिहार के गया जिले में स्थित बोधगया का पीपल वृक्ष विश्व प्रसिद्ध है।
संदर्भ: बिहार सरकार वन एवं पर्यावरण विभाग; एनसीईआरटी कक्षा 7 विज्ञान।

"सामान्य-ज्ञान"

11. जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में "जल एवं भूमि संरक्षण" के लिए विद्यालय स्तर पर कौन-से व्यावहारिक उपाय किए जा सकते हैं? (विद्यालय सुरक्षा फरवरी W4)
उत्तर: जल एवं भूमि संरक्षण के लिए विद्यालय स्तर पर वर्षा जल संचयन (रेनवाटर हार्वेस्टिंग), वृक्षारोपण, मिट्टी के कटाव रोकने हेतु बाउंड्री वॉल एवं घास लगाना, जैविक खाद (कम्पोस्ट) का उपयोग, जल रिसाव रोकने हेतु नलों की मरम्मत, और पॉलीथिन मुक्त परिसर सुनिश्चित करना प्रमुख उपाय हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण बिहार में अनियमित वर्षा, सूखा एवं बाढ़ जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं, जिससे जल एवं भूमि संसाधनों पर दबाव बढ़ रहा है। विद्यालय स्तर पर जल संरक्षण के प्रयासों से भू-जल स्तर में वृद्धि होती है तथा भूमि संरक्षण से मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है। ये उपाय विद्यार्थियों को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाते हैं और जलवायु अनुकूलन की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

12. निम्नलिखित श्रृंखला को पूरा करें: 2, 6, 12, 20, 30, ? (मानसिक योग्यता - क्रमबद्धता)
उत्तर: 42
व्याख्या: यह श्रृंखला एक विशेष पैटर्न पर आधारित है:
. 2 = 1×2, . 6 = 2×3, · 12 = 3×4, . 20 = 4×5, · 30 = 5×6
अतः अगला पद 6×7 = 42 होगा।
इस श्रृंखला में प्रत्येक पद क्रमागत संख्याओं के गुणनफल के रूप में है। यह एक सामान्य संख्या श्रृंखला पैटर्न है जो प्रतियोगी परीक्षाओं में अक्सर पूछा जाता है।
संदर्भ: प्रतियोगी परीक्षा रीजनिंग (आर.एस. अग्रवाल)।

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Habit (हैबिट) = Practice (प्रैक्टिस) = आदत
Antonym – Unfamiliarity (अनफैमिलियारिटी) = अनभ्यास
Hardworking (हार्डवर्किंग) = Diligent (डिलिजेंट) = मेहनती
Antonym – Lazy (लेज़ी) = आलसी
Harmful (हार्मफुल) = Dangerous (डेंजरस) = हानिकारक
Antonym – Harmless (हार्मलेस) = हानिरहित
Humble (हम्बल) = Modest (मॉडेस्ट) = विनम्र
Antonym – Proud (प्राउड) = घमंडी
Hurry (हरी) = Rush (रश) = जल्दी करना
Antonym – Delay (डिले) = देर करना

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

PM Modi flags off Meerut Metro and Namo Bharat train from Shatabdi Nagar station, inaugurates development projects worth ₹12,930 crore in Meerut.
पीएम मोदी ने शताब्दी नगर स्टेशन से मेरठ मेट्रो और नामो भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाई, मेरठ में ₹12,930 करोड़ की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया।

PM Modi slams Congress for 'shirtless' protest at India AI Impact Summit, calls it 'gandi aur nangi' politics and ideologically bankrupt.
पीएम मोदी ने इंडिया AI इम्पैक्ट समिट पर कांग्रेस के 'शर्टलेस' विरोध की निंदा की, इसे 'गंदी और नंगी' राजनीति और वैचारिक रूप से दिवालिया बताया।

Two JeM terrorists killed in encounter with security forces in Jammu and Kashmir's Kishtwar district amid ongoing anti-terror operations.
जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद के दो आतंकवादी मारे गए।

INTERNATIONAL NEWS

Pakistan carries out air strikes in Afghanistan targeting TTP camps after Islamabad suicide bombing, killing at least 17; Kabul vows appropriate response.
पाकिस्तान ने इस्लामाबाद आत्मघाती हमले के बाद अफगानिस्तान में टीटीपी कैंपों पर हवाई हमले किए, कम से कम 17 मारे गए; काबुल ने उचित जवाब देने की कसम खाई।

Russia intensifies drone strikes on Ukraine's energy infrastructure ahead of war anniversary; Moscow airports restrict flights amid attacks.
रूस ने युद्ध की वर्षगांठ से पहले यूक्रेन के ऊर्जा ढांचे पर ड्रोन हमले तेज किए; मॉस्को हवाई अड्डों पर उड़ानें प्रतिबंधित।

US President Trump raises proposed global tariff rate to 15% from 10% after Supreme Court strikes down earlier tariffs; trade tensions rise.
अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा पहले टैरिफ रद्द करने के बाद प्रस्तावित वैश्विक टैरिफ दर 10% से बढ़ाकर 15% की; व्यापार तनाव बढ़ा।

BIHAR NEWS

Chair seller apprehended in Muzaffarpur for smuggling 250 bottles of alcohol hidden inside chairs at checkpost.
मुजफ्फरपुर चेकपोस्ट पर कुर्सी विक्रेता को कुर्सियों के अंदर छिपाकर 250 बोतल शराब तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

Railway police in Patna launch search operation and review CCTV after viral video shows alleged negligence during night duty.
पटना में रेलवे पुलिस ने रात की ड्यूटी के दौरान लापरवाही के वायरल वीडियो के बाद खोज अभियान शुरू किया और सीसीटीवी की समीक्षा की।

SPORTS NEWS

T20 World Cup 2026 Super 8: India vs South Africa underway in Ahmedabad; South Africa opt to bat first, lose early wickets (de Kock, Markram, Rickelton out).
टी20 विश्व कप 2026 सुपर 8: अहमदाबाद में भारत बनाम साउथ अफ्रीका मैच जारी; साउथ अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी चुनी, शुरुआती विकेट गंवाए (डे कॉक, मार्करम, रिकलटन आउट)।

T20 World Cup 2026 Super 8: England crush Sri Lanka by 51 runs in Pallekele; bowl out hosts for 95 after posting 146/9.
टी20 विश्व कप 2026 सुपर 8: पललेकेले में इंग्लैंड ने श्रीलंका को 51 रनों से हराया; 146/9 के बाद मेजबान को 95 पर समेटा।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️संदेश:

"करेंट अफेयर्स का नियमित अध्ययन ही प्रतियोगी सफलता की सबसे मजबूत नींव है।"

अनुभाग-6

प्रेरक कहानी

"शांति की छोटी शुरुआत"

(23 फरवरी – शांति और समझ दिवस विशेष)

विद्यालय में आज विशेष सभा थी। प्राचार्य सर ने बताया कि 23 फरवरी को शांति और समझ का संदेश फैलाने का दिन है। बच्चों ने सोचा—"हम तो रोज़ ही पढ़ते हैं, इसमें नया क्या है?"

लेकिन उस दिन कक्षा में कुछ अलग हुआ।

अवकाश के समय रोहन और आदिल के बीच खेल को लेकर झगड़ा हो गया। बात इतनी बढ़ गई कि दोनों ने एक-दूसरे से बात करना बंद कर दिया। उनके दोस्त भी दो गुटों में बँट गए। माहौल भारी हो गया।

तभी कक्षा अध्यापिका आईं। उन्होंने डाँटा नहीं, बल्कि शांत स्वर में पूछा, "अगर तुम दोनों ही सही हो, तो गलत कौन है?"

दोनों चुप रहे।

मैडम ने बोर्ड पर लिखा—"शांति ताकत है, कमजोरी नहीं।"

फिर बोलीं, "कभी-कभी जीतने से बड़ा काम होता है—रिश्ता बचाना।"

रोहन को अपनी गलती का एहसास हुआ। उसने धीरे से कहा, "मुझे खेल में ज़्यादा गुस्सा नहीं करना चाहिए था।"

आदिल ने भी सिर झुकाकर कहा, "और मुझे भी बात बढ़ानी नहीं चाहिए थी।"

दोनों ने हाथ मिला लिया। पूरी कक्षा तालियों से गूँज उठी।

मैडम ने समझाया, "शांति केवल देशों के बीच नहीं, हमारे दिलों में शुरू होती है। जब हम समझने की कोशिश करते हैं, तभी सच्ची शांति आती है।"

उस दिन बच्चों ने तय किया कि वे छोटी-छोटी बातों पर झगड़ा नहीं करेंगे। वे एक-दूसरे की बात ध्यान से सुनेंगे और मिल-जुलकर रहेंगे।

कुछ दिनों बाद स्कूल में एक पोस्टर लगा— "शांति की शुरुआत हमसे।"

रोहन और आदिल उसे देखते हुए मुस्कुराए। उन्हें समझ आ गया था कि शांति कोई बड़ी घोषणा नहीं, बल्कि एक छोटा-सा निर्णय है—

समझने का, माफ़ करने का और साथ चलने का।

सच्ची शांति तब आती है जब हम अपने अहंकार से ऊपर उठकर रिश्तों को महत्व देते हैं। छोटी-सी समझदारी भी दुनिया को बेहतर बना सकती है।

.....✍️

मनोज कुमार

प्रधानाध्यापक

रा.म.वि.वाल्मीकिनगर

बगहा 2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌱🙏

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

"छात्रों की लिखावट एवं लेखन शैली में सुधार कैसे करें?"

23.02.2026

एक शिक्षक के रूप में जब हमें एक कांपी जिसकी लिखावट सुंदर हो, की सुधार करनी हो तो कांपी सुधारने की प्रक्रिया में हमें आनंद की अनुभूति होती है। जब लिखावट सही नहीं होती तो उस कांपी को सुधारने की इच्छा नहीं होती है। कई बार छात्र भाषा की अपनी परीक्षा कांपी में सही जबाब लिखने के वावजूद लिखावट सही नहीं होने के कारण मूल्यांकन कर्ता से उचित अंक प्राप्त नहीं कर पाते हैं। छात्रों की लिखावट एवं लिखने की शैली में सुधार एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। अगर प्रारंभिक कक्षा से ही शिक्षक छात्रों की लिखावट एवं लेखन शैली पर ध्यान दें तो उसे सही किया जा सकता है। हम शिक्षक विद्यालय में निम्न उपाय अपनाकर बच्चों की लिखावट एवं लेखन शैली को प्रभावी और सुंदर बना सकते हैं।

हमें आरंभ से बच्चों को पेंसिल और कलम सही और सीधा पकड़ने का अभ्यास कराना चाहिए। उस पकड़ से उनसे फ्री हैंड स्केचिंग कराना चाहिए। उसके बाद बच्चों को अक्षर या शब्द लिखवाने से पहले लेखन पूर्व अभ्यास कराना चाहिए। इसमें उनसे खड़ी रेखा, पड़ी रेखा, वृत, अर्ध वृत, चौथाई वृत, आधा त एवं प लिखने को देना चाहिए। इससे हिंदी वर्णमाला को लिखना प्रारम्भ करने के पूर्व उनका अभ्यास हो जाए। अक्षरों का सही आकार और अंतर बताते हुए अक्षर एवं शब्द लिखवाते समय आरंभ से ही सीधा लिखने एवं दो वर्णों एवं शब्दों के बीच उचित अंतराल पर ध्यान देना चाहिए। जब छात्र कुछ-कुछ लिखने लगे तो हमें उनसे नियमित लेखन अभ्यास कराते रहना चाहिए। हमें प्रतिदिन कम से कम 10–15 मिनट सुलेख का अभ्यास कराना चाहिए। शुरुआत में छोटे वाक्य, सुविचार या कविता की पंक्तियाँ लिखवा सकते हैं और लिखने की गति धीमी हो परंतु साफ-सुथरा लिखने पर ध्यान होना आवश्यक है। कुछ बाल मनोवैज्ञानिक इसे सही नहीं मानते हैं क्योंकि उनका मानना है कि प्रारंभ में इतना देखने पर छात्र लिखने के प्रति हतोत्साहित हो सकते हैं। लेकिन मेरे विचार से शिक्षक यदि छात्र से प्रेम पूर्वक व्यवहार करते हुए प्रोत्साहित करें तो छात्र इसकी आवश्यकता को समझते हुए ऐसा करने के प्रति प्रेरित होते हैं।

ऐसा माना जाता है कि लिखने का सीधा संबंध पढ़ने से होता है। छात्र उन बातों को लिखने में ज्यादा सहज होते हैं जिनको वे पहले पढ़े होते हैं। अतः हमें छात्रों में पढ़ने की आदत विकसित करनी चाहिए। जो छात्र अधिक पढ़ता है, उसकी शब्दावली और वाक्य संरचना बेहतर होती है। इसके लिए छात्रों को कक्षा में कहानी की पुस्तकें, बाल पत्रिकाएँ उपलब्ध कराते हुए पढ़ने का अभ्यास कराना चाहिए। पढ़ने के बाद उनसे देखकर या अपने शब्दों में लिखने को कहना चाहिए। छात्रों के बीच भाषा की कक्षा में पाठ समाप्ति के बाद सीखे गए शब्दों में से श्रुतिलेखन कराएँ। श्रृतिलेखन के पश्चात शिक्षकों को निश्चित रूप से उसका मूल्यांकन करना चाहिए। मूल्यांकन के क्रम में शिक्षक को हुई गलतियों को सुधार करना चाहिए और छात्रों को सही शब्द दोबारा लिखने का कार्य देना चाहिए। पाठ के कठिन शब्दों की सूची बनाकर भी छात्रों से लिखवाने का अभ्यास कराया जा सकता है। इसके अतिरिक्त कक्षा में अनुच्छेद, कहानी, कविता, लेख आदि भी लिखवाया था सकता है इससे छात्रों में रचनात्मक लेखन की प्रवृत्ति उत्पन्न होगी। छोटी कक्षाओं में चित्र दिखाकर कहानी लिखवाने का अभ्यास करा सकते हैं। दिए गए विषय-वस्तु पर लेखन अभ्यास के बाद छात्रों को धीरे-धीरे स्वतंत्र रूप से विचार लिखने हेतु प्रेरित किया जा सकता है। गृहकार्य में छात्रों को प्रतिदिन एक पेज लिखने का काम दिया जा सकता है। जिन छात्रों की लिखावट कमजोर है, उन्हें अलग से अभ्यास कराया जा सकता है।

विद्यालय में लेखन प्रतियोगिता आयोजित कर छात्रों प्रोत्साहित किया जा सकता है।इसके लिए विद्यालय एवं कक्षा का सुदंर लिखावट पुरस्कार दिया जा सकता है। छात्रों के अच्छे कार्य को विद्यालय के सूचना पट एवं पत्रिका पर प्रदर्शित किया जा सकता है। साथ ही विद्यालय में लेखन से संबंधित गतिविधि जिसमें शब्द पहेली, रिक्त स्थान भरना, वाक्य बनाना जैसी गतिविधियाँ हो कराना चाहिए। इसी क्रम में खेल-खेल में व्याकरण सिखाना चाहिए ताकि छात्रों के लेखन में शुद्धता भी रहे। शिक्षक को छात्रों को उनकी लिखावट के लिए डाँटने के बजाय प्रेरित करते रहना चाहिए। लिखने के लिए साफ कॉपी और अच्छी गुणवत्ता वाली पेन,पेंसिल का प्रयोग करने एवं नियमित रूप से लिखने के अभ्यास हेतु छात्रों को निर्देशित करना चाहिए। यदि हम अपने विद्यालय में उपरोक्त क्रियाकलाप सुनिश्चित करते हैं तो हम, हमारे छात्रों की लिखावट एवं लेखन शैली में उत्तरोत्तर सुधार कर सकते हैं। तो आईए हम अपने विद्यालय में छात्रों की लिखावट एवं लेखन शैली सुधार करने की दिशा में एक कदम बढ़ायें।

.....✍️

मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌱🙏

अनुभाग-8

"परीक्षा पर चर्चा"

"आधी दूरी पार – अब धैर्य ही असली शक्ति"

प्रिय विद्यार्थियों, 23.02.2026

परीक्षाओं का यह चरण ऐसा होता है जब आपको लगता है कि आपने लंबी यात्रा तय कर ली है, लेकिन मंज़िल अभी थोड़ी दूर है। कुछ पेपर हो चुके हैं, कुछ अभी बाकी हैं। यही वह समय है जब थकान, अधीरता और हल्की चिंता मन में जगह बनाने लगती है। परंतु याद रखिए—आधी दूरी पार करने के बाद गति धीमी नहीं, संतुलित होनी चाहिए।

माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने "परीक्षा पर चर्चा" में विद्यार्थियों को एक महत्वपूर्ण संदेश दिया था—"परीक्षा को उत्सव की तरह लीजिए, दबाव की तरह नहीं।" उत्सव तब तक उत्सव रहता है जब तक ऊर्जा और धैर्य दोनों साथ हों। इसलिए इन दिनों सबसे अधिक आवश्यकता है मानसिक संतुलन बनाए रखने की।

अब तक हुए पेपरों के बारे में अधिक सोचने की आवश्यकता नहीं है। जो हो गया, वह आपके अनुभव और सीख का हिस्सा बन चुका है। बार-बार उत्तर मिलान करने या अनुमान लगाने से न तो अंक बदलेंगे और न ही परिणाम। बल्कि यह चिंता अगले पेपर की तैयारी को प्रभावित कर सकती है। इसलिए आज का मंत्र है—'बीता हुआ अनुभव, आने वाला अवसर।'

इस समय पढ़ाई की रणनीति भी थोड़ी बदली जानी चाहिए। लंबे समय तक लगातार पढ़ने के बजाय छोटे-छोटे सत्रों में पढ़ें। 40 मिनट अध्ययन और 10 मिनट विश्राम का नियम अपनाएँ। महत्वपूर्ण बिंदुओं, सूत्रों और तिथियों की त्वरित पुनरावृत्ति करें। लिखकर अभ्यास जारी रखें, क्योंकि लेखन ही आत्मविश्वास को मजबूत करता है।

शारीरिक ऊर्जा भी उतनी ही आवश्यक है। पर्याप्त नींद लें, हल्का और पौष्टिक भोजन करें तथा सुबह कुछ मिनट खुली हवा में टहलें। मन यदि शांत रहेगा, तो स्मरण शक्ति भी बेहतर काम करेगी। अपने आप से प्रतिदिन यह कहें—"मैं धैर्यवान हूँ, मैं अंत तक अपना सर्वश्रेष्ठ दूँगा।"

अभिभावकों के लिए यह समय बच्चों को भावनात्मक सहारा देने का है। उनसे परिणाम की चर्चा से अधिक उनके स्वास्थ्य और संतुलन की चिंता करें। एक स्नेहभरा वाक्य—"हमें तुम पर विश्वास है"—उनके मनोबल को कई गुना बढ़ा देता है।

प्रिय #ExamWarriors,

आपने आधी दूरी पार कर ली है। अब केवल धैर्य, निरंतरता और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना है।

हर नया पेपर एक नई संभावना है। शांत मन से आगे बढ़िए—

मंज़िल अब दूर नहीं है।

जय हिंद! 🇮🇳

.....
रवीन्द्र कुमार
ज़िला शिक्षा पदाधिकारी
प. चम्पारण, बेतिया।

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए...!!!

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org